हरतालिका तीज | रात भर चला भजन कीर्तन, जागरण का दौर, आस्था और तपस्या का पर्व

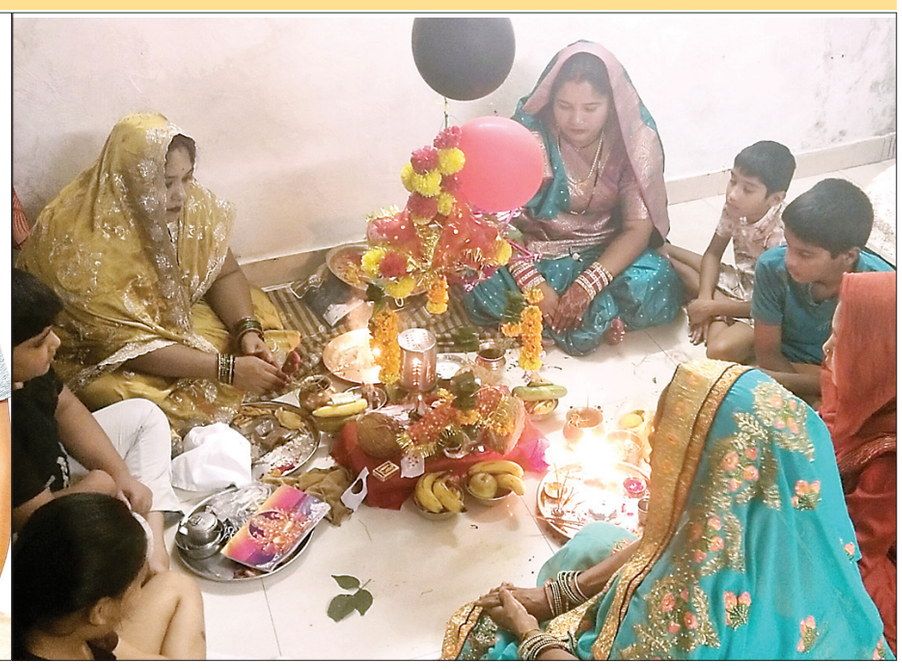

सुहागनों ने अखंड सौभाग्य के लिए रखा 24 घंटे निर्जला व्रत

नवभारत , जबलपुर । हरतालिका तीज महिलाओं के लिए आस्था और संकल्प का विशेष पर्व है। यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती के अटूट संबंध तथा माता पार्वती द्वारा भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए की गई कठोर तपस्या से जुड़ा है। मान्यता है कि माता पार्वती ने वर्षों तक तपस्या कर भगवान शिव को प्रसन्न किया था। इसी आस्था के साथ महिलाएं शिव-पार्वती की पूजा कर सुखी दांपत्य जीवन और पति की दीर्घायु की कामना करती हैं। शहर में हरतालिका तीज पर महिलाओं ने अपने अपने सुहाग की मंगल कामना के लिए करीब 24 घंटे निर्जला व्रत रखा। इस दौरान मातृशक्तियों ने दिनभर अन्न-जल का त्याग कर शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना और स्मरण किया गया और फिर शाम को पूजन के बाद उन्होंने रातभर जागकर भजन-कीर्तन किया। इसके बाद अगले दिन ब्रह्ममुहूर्त में करीब 4 बजे विशेष पूजन और व्रत का उद्यापन किया गया।

ब्रह्ममुहूर्त में पूजन, सुहाग सामग्री का विशेष महत्व

हरतालिका व्रत में रातभर जागरण और भजन-कीर्तन के बाद अगले दिन ब्रह्ममुहूर्त में करीब 4 बजे शिव-पार्वती का विशेष पूजन किया जाता है। विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद व्रत का उद्यापन किया जाता है। इस दौरान महिलाएं माता पार्वती को सोलह श्रृंगार और सुहाग की सामग्री अर्पित कर अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। विवाहित महिलाएं पति की दीर्घायु और सुखी दांपत्य जीवन के लिए व्रत रखती हैं, वहीं कुंवारी युवतियां मनचाहे वर की प्राप्ति की कामना से यह व्रत करती हैं।

इनका कहना है

हम रातभर जागकर भजन-कीर्तन करते हैं और शिव-पार्वती की पूजा करते हैं। सुबह ब्रह्ममुहूर्त में पूजन और उद्यापन के बाद व्रत पूरा होता है। इस दौरान परिवार और आसपास की महिलाओं के साथ मिलकर त्योहार मनाने की खुशी अलग ही होती है।

सीमा शर्मा , गृहिणी

हरतालिका तीज हमारे लिए सिर्फ व्रत नहीं, बल्कि माता पार्वती की तपस्या और भगवान शिव के प्रति उनकी आस्था को याद करने का पर्व है। निर्जला व्रत रखना कठिन जरूर होता है, लेकिन पूजा और भक्ति में पूरा दिन कब निकल जाता है, पता ही नहीं चलता।

स्वाति धक्कड़ , गृहिणी

हरतालिका का व्रत माता पार्वती की तपस्या से जुड़ा है। मान्यता है कि माता ने भगवान शिव को पाने के लिए कठोर तप किया था। इसी आस्था के साथ हम 24 घंटे निर्जला व्रत रखते हैं। रातभर जागकर भजन-कीर्तन करते हैं और सुबह करीब 4 बजे ब्रह्ममुहूर्त में शिव-पार्वती का पूजन कर व्रत का उद्यापन करते हैं।

शालू पटेल , गृहिणी

आयोजन | सीनियर सिटीजन क्लब में रंगारंग कार्यक्रम

हिंदी दिवस पर नाटक की प्रस्तुति ने खूब बटोरी तालियां

नवभारत,जबलपुर। हिंदी दिवस के अवसर पर सीनियर सिटीजन क्लब में आयोजित कार्यक्रम में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और राजभाषा के सम्मान का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अभिनेता लक्ष्मण सिंह चौहान एवं सुनीता चौहान द्वारा प्रस्तुत नाटक ने सदस्यों और दर्शकों को खूब गुदगुदाया। नाटक के दौरान दर्शक हंसी से लोटपोट होते नजर आए और कलाकारों को जमकर तालियां मिलीं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलकत्ता हाईकोर्ट एवं तेलंगाना हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जबलपुर आकर और सीनियर सिटीजन क्लब में आकर बेहद खुशी हुई। उन्हें कल्पना नहीं थी कि क्लब के सदस्यों को इतना ऊर्जावान, उल्लासपूर्ण और आनंदमय वातावरण मिल सकता है इस दौरान उन्होंने अपने पुराने अनुभवों को याद करते हुए बताया कि जब वे हैदराबाद में जज थे, तब निगम जी से उनका पुराना परिचय हुआ था। निगम जी ने उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद क्लब में आने के लिए कहा था। क्लब में आने के बाद उन्हें लगा कि अब वे हर रविवार यहां आना चाहेंगे। वहीं क्लब के संयोजक एस. के. निगम ने कहा कि हिंदी हमारे देश की राजभाषा है। उन्होंने बताया कि सेठ गोविंददास जी ने जबलपुर के सांसद रहते हुए संसद में हिंदी को राजभाषा बनाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। इसी अवसर पर क्लब की सदस्य रंजीता का जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों का स्वागत नीरज शुक्ला, वर्तमान मुख्य न्यायाधीश गोपाल कांडेराव एवं लक्ष्मण सिंह चौहान ने किया। वहीं महिला सदस्यों की ओर से उर्मिला श्रीवास्तव, रश्मि श्रीवास्तव, पूनम श्रीवास्तव एवं जसबीर चोपड़ा ने मुख्य अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

लघु प्रहसन रहा आकर्षण का केंद्र

कार्यक्रम में विंग कमांडर चंदन शर्मा द्वारा प्रस्तुत लघु प्रहसन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसमें उन्होंने विभिन्न स्थानों पर आने वाले अतिथियों के बोलने के अंदाज को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति पर दर्शक हंसी से लोटपोट हो गए और कलाकारों का उत्साह बढ़ाते हुए खूब तालियां बजाईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार बघेल ने की। कार्यक्रम में पूर्व डिप्टी कमिश्नर दिनेश स्थापक, विजय श्रीवास्तव, डॉक्टर लिआओ, प्रमोद जैन, विजय सिन्हा, रमेश पंडित, प्रेम वर्मा सहित वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। महिला सदस्यों में डॉक्टर ममता गुप्ता, रश्मि श्रीवास्तव एवं राजकुमारी जायसवाल सहित अन्य सदस्यों की सहभागिता रही।

कविताओं में दिखे हिन्दी के अलग-अलग रंग

हिन्दी दिवस पर काव्य गोष्ठी का आयोजन

नवभारत ,जबलपुर। हिन्दी दिवस के अवसर पर सोमवार को दि इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), जबलपुर लोकल सेंटर में अभियंता काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में अभियंता कवियों ने उत्साह के साथ अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। कविताओं के जरिए हिन्दी भाषा के अलग-अलग स्वरूपों के साथ वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों और बदलते दौर की झलक भी सामने आई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शरद अग्रवाल रहे, जबकि अध्यक्षता इंजी. अमरेंद्र नारायण ने की। संस्था के सदस्य अभियंता कवियों अमरेंद्र नारायण, संजीव वर्मा 'सलिल', सरस जैन, सुरेंद्र सिंह पंवार, यू.बी. तिवारी, प्रभात कनोजे और अरविन्द मोहन नायक ने अपनी कविताओं का पाठ किया। इस दौरान श्रोताओं ने भी रचनाओं का उत्साहपूर्वक आनंद लिया।

कवियों ने हिन्दी के प्रति अपने जुड़ाव और भावनाओं को कविता के माध्यम से व्यक्त किया। उनकी रचनाओं में समाज में बदलते हालात और समसामयिक विषय भी शामिल रहे। अलग-अलग भाव और विषयों पर प्रस्तुत कविताओं से गोष्ठी में साहित्यिक माहौल बना रहा।

कवियों का हुआ सम्मान

काव्य पाठ के बाद संस्था की ओर से सभी सहभागी कवियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक ए.एम. नायक ने किया, जबकि आनरेरी सेक्रेटरी इंजी. सुरेंद्र सिंह पंवार ने आभार व्यक्त किया।